उ0प्र0 कृषि अनुसंधान परिषद

U.P. Council of Agricultural Research

अष्टम तल, किसान मण्डी भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226 010

8th Floor, Kisan Mandi Bhawan, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow- 226010

पत्रांकः 17 /एनआरएम/डब्लूबीएसएलएएजी/पीएल/2021 दिनॉकः 04-04-2024

दिनांक	:	04 अप्रैल, 2024
समय	:	12:00 बजे
स्थान	:	उपकार सभाकक्ष
उपस्थिति	:	संलग्न

मौसम आधारित राज्य स्तरीय कृषि परामर्श समूह (क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप) की वर्ष 2024-25 की प्रथम बैठक की कृषकों के उपयोगार्थ संस्तुतियाँ

क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की वर्ष 2024-25 की प्रथम श्री पीयूष कुमार शर्मा, सचिव, उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद की अध्यक्षता में दिनांक 04 अप्रैल, 2024 को परिषद के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में आंचलिक भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, अमौसी, लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक; चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, कानुपर के गेहूँ वैज्ञानिक एवं मौसम वैज्ञानिक; उद्यान विभाग; पशुपालन विभाग; मत्स्य विभाग; भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ तथा परिषद के अधिकारियों/वैज्ञानिकों ने भाग लिया। उक्त के अतिरिक्त बैठक में बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा के मौसम वैज्ञानिक एवं रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के तिलहन व दलहन वैज्ञानिक तथा नैनी एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट, शुआट्स, प्रयागराज के मौसम वैज्ञानिक द्वारा ऑनलाइन प्रतिभाग किया गया।

आगामी सप्ताह (04 अप्रैल से 11 अप्रैल, 2024) का मौसम पूर्वानुमान

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार प्रथम सप्ताह के दौरान प्रदेश के विन्ध्य क्षेत्र एवं पूर्वी मैदानी क्षेत्र में 08-09 अप्रैल, 2024 को कहीं-कहीं बूंदा-बांदी के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है, जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में मौसम मुख्यतया शुष्क बने रहने की संभावना है।

इस सप्ताह के दौरान उत्तर-पूर्वी मैदानी क्षेत्र का पूर्वी भाग एवं पूर्वी मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक, दक्षिणी-पश्चिमी अर्ध शुष्क मैदानी एवं विन्ध्य क्षेत्र के अधिकांश भाग, पश्चिमी मैदानी क्षेत्र का दक्षिणी भाग, मध्य मैदानी क्षेत्र के पश्चिमी भाग तथा उत्तर-पूर्वी मैदानी एवं पूर्वी मैदानी क्षेत्र के शेष भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य से आंशिक रूप से अधिक जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में सामान्य के आस-पास रहने की संभावना है।

प्रदेश के भावर तराई एवं पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 30-33 डिग्री सेन्टीग्रेट; भावर तराई क्षेत्र के पूर्वी भाग, पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के दक्षिणी भाग एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 33-36 डिग्री सेन्टीग्रेट; पूर्वी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग एवं विन्ध्य क्षेत्र के उत्तरी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 38-40 डिग्री सेन्टीग्रेट; जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 36-38 डिग्री सेन्टीग्रेट के बीच रहने की संभावना है।

द्वितीय सप्ताह (12 अप्रैल से 18 अप्रैल, 2024) का मौसम दृष्टिकोण

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम दृष्टिकोण के अनुसार द्वितीय सप्ताह (12 अप्रैल से 18 अप्रैल, 2024) के दौरान प्रदेश के उत्तर-पूर्वी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग एवं संलग्न पूर्वी मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग तथा बुंदेलखण्ड क्षेत्र के दक्षिणी पश्चिमी भाग में सामान्य से कम जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में सामान्य से अधिक वर्षा होने के संभावना है।

प्रदेश के उत्तर-पूर्वी मैदानी क्षेत्र के पूर्वी भाग एवं पूर्वी मैदानी क्षेत्र का उत्तरी भाग में सामान्य के आस-पास तथा मध्य मैदानी क्षेत्र, पूर्वी मैदानी एवं विन्ध्य क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य से आंशिक रूप से कम जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है।

प्रदेश के भावर तराई, पश्चिमी मैदानी एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 28-31 डिग्री सेन्टीग्रेट; भांवर तराई क्षेत्र के मध्य भाग, पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के दक्षिणी भाग एवं

मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 31–34 डिग्री सेन्टीग्रेट; भावर तराई क्षेत्र के पूर्वी भाग, दक्षिणी–पश्चिमी अर्ध शुष्क मैदानी एवं उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के अधिकांश भाग तथा मध्य मैदानी क्षेत्र के पश्चिमी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 34–36 डिग्री सेन्टीग्रेट जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 36–38 डिग्री सेन्टीग्रेट के बीच रहने की संभावना है।

प्रदेश में मौसम के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में किसानों को अगले दो सप्ताह हेतु कृषि प्रबन्धन के लिए निम्नलिखित सुझाव दिये जाते हैं:–

- अगले सप्ताह (12 से 18 अप्रैल, 2024) में वर्षा व कभी–कभी तेज हवाओं की संभावना है। अतः गेहूं की कटाई बालियां पाली पड़ने पर कर लें।
- किसान भाई फसल कटाई–मड़ाई के उपरांत भण्डारण से पूर्व अनाज को अच्छी तरह से सुखा लें, जिससे नमी की मात्रा 10 प्रतिशत से अधिक न हो इसके लिये किसान भाई दानों को दांतों के नीचे दबाने से कट की आवाज आने पर इसे भण्डारण करने योग्य समझें।
- भण्डारण गृह के दीवारों एवं फर्श आदि पर मैलाथियान 50 प्रतिशत ई.सी. को 1:100 के अनुपात में पानी में घोलकर 3 लीटर प्रति 100 वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें तथा बोरों को घोल में 10 से 15 मिनट डुबोने के उपरांत सुखाकर शोधित कर लें।
- सुरक्षित अन्न भण्डारण हेतु इस्पात से बनी बखारियों का प्रयोग सर्वोत्तम होता है।
- नीम की पत्तियों को छाया में सुखाकर अनाज के साथ भण्डारित करने से भण्डारण कीट/रोग की समस्या कम हो जाती है।
- उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के कम में फसल अवशेषों को जलाना प्रतिबन्धित कर दिया गया है साथ ही साथ कम्बाइन हार्वेस्टिंग मशीन स्ट्रा रीपर विद बाइन्डर अनिवार्य कर दिया गया है। उक्त के दृष्टिगत किसान फसल अवशेषों को खेतों में न जलाएं।

जायद फसलों की खेती

- मूंग की सम्पूर्ण उ.प्र. हेतु अधिक उपज वाली व पीला मोजैक अवरोधी संस्तुत किस्मों यथा सम्राट (पी.डी.एम. –139) तथा एच.यू.एम.–16 (मालवीय जन कल्याण) की बुवाई अभी भी की जा सकती है।
- बाजरा की संस्तुत संकुल किस्मों आई.सी.एम.वी.–221, धन शक्ति, आई.सी.टी.पी.–8203, राज–171, पूसा कम्पोजिट–383, पूसा कम्पोजिट–701 तथा संकर किस्मों यथा एम.पी.– 7792, एम.एच.–1553, 86 एम 84, 86 एम.–52, जी.एच.बी.–526, जी.एच.बी.–558 एवं पी.बी.–180 की बुआई करें।
- ज्वार की एकल कटाई हेतु संस्तुत प्रजातियों पी.सी.– 6,9,23, एच.सी.–171, 260, यू.पी. चरी–1–2, राज चरी–1,2 तथा बहु कटाई वाली प्रजातियों एस.एस.जी.–998, 855, को.–27, पंत चरी–5 की बुवाई मध्य अप्रैल तक समाप्त करें।
- उर्द/मूँग की फसल में पीला चित्रवर्ण (मोजैक) रोग दिखाई देते ही प्रभावित पौधे सावधानीपूर्वक उखाड़ कर नष्ट (जला दे/गाड़ दें) कर दें। 5 से 10 पौढ़ मक्खी (सफेद मक्खी) प्रति पौध की दर से दिखाई पड़ने पर आक्सीडेमेटॉन–मिथाइल 25 प्रतिशत ई.सी. या डाइमेथोयेट 30 ई.सी. 1 लीटर प्रति हे. की दर से 600–800 ली. पानी मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।
- मूँग/उर्द में पहली सिंचाई बुआई के 30–35 दिन के बाद करें इससे पूर्व सिंचाई करने पर जड़ों में नत्रजन स्थिरीकरण ग्रन्थियों का विकास ठीक से नहीं होता है।
- सूरजमुखी में आवश्यकतानुसार हल्की नमी बनाये रखें।

गेहूँ की खेती

- अप्रैल के दूसरे सप्ताह के उपरांत वर्षा की संभावना होने के कारण गेहूँ की कटाई फिजियोलाजिकल मेच्योरिटी (पौधे के पीले एवं बाली के सुनहरे पीले होने) पर करके यथाशीघ्र मड़ाई कर सुरक्षित स्थान पर भण्डारित कर लें।

गन्ना की खेती

- पेड़ी प्रबंधन हेतु रेटून मैनेजमेंट डिवाइस द्वारा ठूठों की छटाई के बाद सिंचाई कर दें। तत्पश्चात पर्याप्त नमी की दशा में उर्वरकों का प्रयोग करें।

- शरदकालीन बावग गन्ने में अन्तःफसल की कटाई/खुदाई के पश्चात फसल अवशेष मृदा में मिला दें तथा सिंचाई पश्चात 130 किग्रा. यूरिया प्रति हेक्टेयर की दर से गन्ने की लाइनों में टॉप ड्रेसिंग कर दें।
- बसंतकालीन बुवाई का कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कर लें, जिससे जमाव प्रभावित न हों।
- गन्ने की पत्तियों पर अंकुर बेधक एवं चोटी बेधक कीट के अंडे दिखने पर पत्ती को तोड़कर नष्ट कर दें जिससे कीट के आगे की पीढ़ी समाप्त हो जाय।
- गन्ने के जिस खेत में लालसड़न रोग का प्रकोप हो, उसमें कम से कम एक वर्ष तक गन्ने की फसल न करें।
- बसंत के प्रारंभ में बोये गये गन्ने की गुड़ाई करें।

सब्जियों की खेती

- रबी मौसम में बोई गयी लहसुन एवं प्याज की फसल पक गयी होगी, उसकी खुदाई करें। खुदाई से 12–15 दिन पहले सिंचाई बन्द कर दें।
- कद्दूवर्गीय फसलों की बुवाई यदि नहीं की है तो कर दें।
- फरवरी/मार्च माह में बोई गई कद्दूवर्गीय फसलों में यदि हरा तेला, तना व फलीछेदक दिखाई दे तो डाईमेथोएट 2 मिली./ली. पानी या इमिडाक्लोप्रिड 1 मिली./ली. पानी की दर से छिड़काव करें।
- सब्जियों की फसल में विशेषतया टमाटर, मिर्च में विषाणु रोग का प्रकोप अधिक होता है। इस रोग का प्रसार वाहक कीट सफेद मक्खी/हापर कीट के द्वारा होता है। इसके प्रसार की रोकथाम हेतु आवश्यकतानुसार डाईमिथोएट 30 प्रतिशत ई.सी. 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- टमाटर की फलवेधक सूड़ी के नियंत्रण हेतु इन्डाक्साकार्ब 14.5 प्रतिशत एस.सी. 1 मि.ली. प्रति लीटर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

बागवानी

- आम के भुनगा कीट की रोकथाम हेतु इमिडाक्लोप्रिड 30.5 प्रतिशत एस.सी. 0.3 मि.ली. प्रति लीटर पानी एवं प्रोफेनोफास 50 प्रतिशत ई.सी. 1 मिली0/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए नैप्थलीन एसिटिक एसिड (एन.ए.ए.) 20 पी.पी.एम. (90 मिली/200 लीटर पानी) का छिड़काव करें।
- लीची के बागों में सिंचाई कर नमी बनाये रखें।

पशुपालन

- पशुओं में खुरपका एवं मुंहपका बीमारी (एफ.एम.डी.) एवं पी.पी.आर. बीमारी का टीकाकरण कराया जा रहा है, यह सुविधा पशुचिकित्सालयों पर निःशुल्क उपलब्ध है।
- पशुओं को अंतः कृमिनाशक एवं बाह्य परजीवीनाशक दवाई पशुचिकित्सा की सलाह से आवश्यकता पड़ने पर उपयोग करें।
- दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के लिये पूरा दूध निकालें और दूध दोहन के बाद थनों को कीटाणुनाशक घोल से साफ करें तथा बैठने न दें।
- पशुओं को संतुलित आहार के साथ खनिज मिश्रण अवश्य खिलायें एवं नमक का चाटन भी करायें।
- पशु ब्याने के 1 से 2 घंटे के अंदर नवजात पशु को खीस अवश्य पिलायें।
- जायद/खरीफ में हरा चारा लेने के लिये ज्वार एवं मक्का की समय से बुवाई करें।
- कृषकों/पशुपालकों के द्वारा पर पशु चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु विभाग के द्वारा मोबाइल वेटनरी यूनिट योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना का लाभ लेने हेतु पशुपालक टोल फ्री हैल्पलाइन नं. 1962 पर सम्पर्क करें।

मत्स्य पालन

- वर्तमान में अधिक तापमान के दृष्टिगत मत्स्य पालन तालाबों में 5.5–6 फुट तक पानी बनाये रखें।
- मत्स्य पालन हो रहा है वहॉं कामन कार्प मत्स्य बीज का संचयन करें। कामन कार्प का बीज सभी निगम व निजी क्षेत्र की हैचरियों पर उपलब्ध है।
- तालाब का चुनाव करने का उचित समय है अतः जिन तालाबों में गर्मी में 1 से 2 फीट पानी बना रहे उन्ही तालाबों का चुनाव करें। मत्स्य पालन हेतु 0.2 हे. से 5 हे. तक के तालाबों का चयन किया जाय। तालाबों के

लिए जल की आपूर्ति का साधन होना चाहिए जिससे तालाबों में वर्ष भर एक से दो मीटर पानी सुनिश्चित किया जा सके।

- जो तालाब सूख गये है उनकी जुताई कर लें।
- मत्स्य पालक अपने जनपद में स्थापित मत्स्य पालक विकास अभिकरण के सम्पर्क में रहें।

वानिकी

- खैर, आंवला, अर्जुन के बीजों की बुआई यदि अभी तक पूरी न की गई हो तो अंकुरण कक्ष में तुरन्त पूर्ण कर लें। आवश्यकतानुसार पौधों की सिंचाई करें।

क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की अगली बैठक दिनॉक 12 अप्रैल, 2024 को अपराह्न 12:00 बजे आयोजित की जायेगी।

नोटः– क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की बैठक की संस्तुतियां वेबसाईट *upcar.up.gov.in* पर भी उपलब्ध है।

04/04/24

(पीयूष कुमार शर्मा)
सचिव

प्रतिलिपिः उपरोक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव, माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन को माननीय मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
2. निजी सचिव, माननीय राज्य मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन को माननीय राज्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
3. निजी सचिव, माननीय अध्यक्ष, को माननीय अध्यक्ष जी के अवलोकनार्थ।
4. स्टाफ ऑफीसर, मुख्य सचिव, उ.प्र. शासन, लखनऊ।
5. निजी सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन को महोदय के सूचनार्थ।
6. अपर मुख्य सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन, लखनऊ।
7. अपर मुख्य सचिव, उद्यान, उ.प्र. शासन।
8. अपर मुख्य सचिव, पशुपालन, उ.प्र. शासन।
9. अपर मुख्य सचिव, मत्स्य, उ.प्र. शासन।
10. अपर मुख्य सचिव, रेशम, उ.प्र. शासन।
11. अपर मुख्य सचिव, नियोजन योजना भवन, लखनऊ।
12. कुलपति, च.शे.आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, आ.न.दे.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ, बॉदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बॉदा, सै. हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
13. गन्ना आयुक्त, गन्ना आयुक्त कार्यालय, 17 न्यू बेरी रोड, गन्ना किसान संस्थान, डालीबाग, लखनऊ।
14. आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उ.प्र., केसरबाग, लखनऊ।
15. राहत आयुक्त, उ.प्र. को इस आशय से प्रेषित कि वह ग्राम प्रधान को समूह की संस्तुतियां प्रेषित करेगें।
16. समस्त जिलाधिकारी, उ.प्र.।
17. निदेशक कृषि, कृषि भवन, लखनऊ।
18. निदेशक, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ।
19. निदेशक, केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ।
20. निदेशक, राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो, लखनऊ।
21. अध्यक्ष, केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ।
22. निदेशक, उ.प्र. गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर।
23. निदेशक, रेशम, रेशम विभाग, गोमती नगर, लखनऊ।
24. निदेशक, मत्स्य, मत्स्य निदेशालय, फैजाबाद रोड, लखनऊ।
25. निदेशक, उद्यान, उद्यान विभाग, लखनऊ।
26. निदेशक, पशुपालन, पशुपालन विभाग, लखनऊ।
27. निदेशक, राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ।

28. प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, वन विभाग, 17 राणा प्रताप मार्ग, नरही, लखनऊ।
29. प्रबन्ध निदेशक, बीज विकास निगम, बादशाहनगर, लखनऊ।
30. निदेशक, सांख्यिकी, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश।
31. निदेशक प्रसार, च.शे.आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर/ आ.न.दे.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या/ सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ/ बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा/ सै. हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
32. निदेशक, दूरदर्शन, लखनऊ।
33. निदेशक, आकाशवाणी, लखनऊ।
34. निदेशक, रिमोट सेन्सिग एप्लीकेशन सेण्टर, सेक्टर जी, जानकीपुरम, कुर्सी रोड, लखनऊ।
35. निदेशक, कृषि मौसम, मौसम केन्द्र, अमौसी, लखनऊ।
36. निदेशक सूचना, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उ.प्र. लखनऊ।
37. अपर कृषि निदेशक(सामान्य), कृषि निदेशालय, कृषि भवन, लखनऊ।
38. अपर कृषि निदेशक, प्रसार, कृषि भवन, लखनऊ।
39. अपर कृषि निदेशक, कृषि रक्षा, कृषि भवन, लखनऊ।
40. संयुक्त कृषि निदेशक, शोध एवं मृदा सर्वेक्षण, कृषि भवन, लखनऊ को किसान कॉल सेंटर के उपयोगार्थ प्रेषित।
41. कृषि विभाग के सभी संयुक्त कृषि निदेशक, उप कृषि निदेशक एवं जिला कृषि अधिकारी
42. प्रदेश के 20 कम्युनिटी रेडियो।
43. प्रदेश के समस्त कृषि विज्ञान केन्द्र
44. प्रदेश के 1500 एफ.पी.ओ.
45. बैठक में उपस्थित संबंधित अधिकारी/वैज्ञानिक।
46. निजी सचिव महानिदेशक, उपकार को महानिदेशक महोदय के सूचनार्थ।

04-04-24
(विनोद कुमार तिवारी)
वैज्ञानिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव

संलग्नक

मौसम आधारित राज्य स्तरीय कृषि परामर्श समूह (क्राप वेदर वाच ग्रुप) की वर्ष 2024–25 की प्रथम बैठक
दिनांक 04 अप्रैल, 2024 की उपस्थिति

1. श्री पीयूष कुमार शर्मा, सचिव उपकार, लखनऊ।
2. डा. संजीव कुमार, उपमहानिदेशक, उपकार, लखनऊ।
3. डा. टी.के. श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी मौसम विभाग, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ
4. श्री अमर सिंह, संयुक्त गन्ना आयुक्त, गन्ना विभाग, उत्तर प्रदेश।
5. डा. अनिल दीक्षित, संयुक्त निदेशक प्रक्षेत्र, पशुपालन, उत्तर प्रदेश
6. श्री पुनीत कुमार, उपनिदेशक मत्स्य, मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश
7. श्री अतुल कुमार सिंह, प्रभारी वैज्ञानिक, आंचलिक भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, अमौसी, लखनऊ
8. डा. सोमवीर सिंह, व्हीट ब्रीडर, सेक्शन ऑफ रबी सीरियल, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर
9. डा. एस.एन. पाण्डेय, एग्रोमेट्रोलाजिस्ट/नोडल ऑफिसर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर
10. डा. राजीव कुमार वर्मा, संयुक्त निदेशक शाकभाजी, उद्यान भवन, सप्रू मार्ग लखनऊ
11. डा. विनोद कुमार तिवारी, वैज्ञानिक अधिकारी, उपकार, लखनऊ
12. डा. जय पाल, वैज्ञानिक अधिकारी, उपकार, लखनऊ
13. श्री बालकृष्ण, तकनीकी अधिकारी, उद्यान विभाग, लखनऊ
14. श्री ओमकार सिंह त्यागी, प्रबंधक कृषि, सी.एस.सी.ई गवर्नेस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड, विजय खण्ड गोमती नगर लखनऊ।
15. डा. दिनेश शाह, प्राध्यापक, शस्य विज्ञान एवं इंचार्ज, एग्रोमेट आवजरवेट्री, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा।
16. डा. प्रवीन चरन, टेक्नीकल ऑफीसर, जी.के.एम.एस. परियोजना, नैनी एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट, शुआट्स, प्रयागराज
17. श्री नेत्रपाल यादव, उद्यान विभाग, लखनऊ